

Introduction of शिरा (Head)

- प्राणः (1)
- प्राणभृता (2)
- यत्र श्रिताः (3)
- सर्वेन्द्रियाणि च (4)
- यद्युत्तमाङ्गमङ्गानां (5)
- शिरस्तद्विधीयते (6)

Referens - चक्रक सूत्र स्थान .

Def<sup>n</sup> - Head is the seat for life and all sense faculties.

- it occupies the most imp. place among the vital organs of the body.

Importance of शिरा & Superiority of शिरा

- all the अचार्य accepted head as the vital part of the body.

- Head is the first part generated during the early development of foetus.

- Head is the स्थान of Sahasrara चक्र .

- Head is the स्थान for - प्राणवायु
- साधक विन्त .
- अलोचक च
- तर्पक कफ .

- a/c to अचार्य चरक

- life exist in लक्ष्य शिरसि जस्ति

- Head has various sensory functions such as - sight - hearing - smell - taste.

- a/c. अचार्य चरक quoted 107 vital points, and 37 of them are located in the head only.

- among सद्योपाणहरमम maximum no. of are situated in head and hence it should be protected carefully.

- also consider as 3-तमसि

- Head that where all the sense organ are located and in which life resides, so, it should be protected with great effect.

• classification of शिरो रोग

• A/c to आचार्य सुश्रुत -

$3 + 4 = 11$

↓ वातज	↓ 1) सूर्यावर्त	S	} त्रिकोष.
पित्तज	2) अनन्तवात	A	
कफज	3) अध्व भेदक	A	
रक्तज	शंखक	S	
सन्निपातज			
क्षयज			
कृमिज			

• A/c to आचार्य वाग्भट्ट -

शिरो रोग (10) + कपाल रोग (9)

वातज	उपशीर्षक	U
पित्तज	अकंनशिक	A
कफज	इन्धु लुप्त	E
सन्निपातज	दाकणक	D
रक्तज	पलित	P
क्षयज	शमिलित	A
कृमिज	कपाल	} अर्बुद विद्वधि पिडिका
सूर्यावर्त		
अध्व भेदक		
शंखक		

- व/ल. ७ चरक - वातज  
- पित्तज  
- कफज  
- त्रिदोषज  
- कृमिज

० सामान्य निदान

धूम्रातपतुषाराम्बु क्रीडातिरुवपजागरे : ।  
उत्स्वेदाधिपुरोवात वाष्पनिगृह रोदनै : ॥  
अत्यम्बुसद्यपानेन कृमिभिर्केधारणे : ।  
उपधानमृजाभ्यङ्गेषाद्यः पतलेक्षणैः ।  
असात्म्यगन्ध दुष्टामभाष्याद्यै शिरोगताः ।  
जनयन्त्यामयान् पीषाः ।

(अ. ह. उ. २३/१-३)

- वेग धारण
- दिवाशयन
- रात्री जागरण
- उच्च भाषण
- अति मैथुन
- शयन in ओस (तुषार)
- धूम
- अताप
- अम्बु
- अतिस्वेद
- असात्म्य गन्ध
- पुरोवात
- अत्यत अम्बु र सद्य पान
- वाष्प निगृह
- रोदनैः etc .

शिरो रोग -

1) वातज शिरो रोग -

ल० - शिरो रुज

- तीव्र कण १० निशि

- प्रकाशासदता

- घ्राण स्त्रावा

- सिरा जाल

- कर्ण कण

- तीव्र वेदन ६/१० भ्रुवो मध्य ललाट

- धूर्ण तीव्र शिर, सर्व अन्विद्य

चि० - सादेव

- सादेव

- स्नेह

- स्वेद

- बन्ध

अ/०० सु०

- स्नेह, oil, plaster - x 9

- स्वेदन, १५/२५

- अशुद्ध

- परिषेक

- नर्या

- अनुवासन वस्त्रि एव

आहार - सांस रस

- सिन्धु आहार

- क्षीर व वातहर द्रव्य

Modern correlation -

• Migrainic Headache

- it comes suddenly without any warning unlike other form of Headache.

- Characteristic
- acute pain
  - excruciating
  - lancinating
  - Dauting

- Symptoms
- Dizziness
  - pain
  - exuberant
  - feeling of sinking down.
  - Restlessness.

- Rx
- Analgesics
  - NSAID.

(2) पित्तय शिरो वाह

लक्षण - शिरो वाह

- आक्षि

- नास पाह

- sensation of hot fumes coming out

- yellow color

- fainting (मिथिल)

- profuse sweating

दोष प्रधान - पित्तय

- रक्तय

Rx - शिरो लेप

- परिवेक

- अभ्रगडा

- मुख लेप

- नस्य

- विरेचन

आहार - जंगल मांस रस

- पित्तहर आहार - विहार

# Bilious Headache

papergrid  
Date: / /

## MC - Tension Headache

- most common
- primary type of Headache.

### Causes

- stress
- sleep deprivation
- Hunger
- eye strain
- Dehydration
- Caffein withdrawal.

### Symptoms

- bilateral pain.
- radiating pain from the
  - neck
  - Back
  - eyes.
- Squeezing pain.

### Rx

- Analgesics
- NSAID
- Anti depressants
- Beta - Blockers
- Anti Convulsants

### Analgesics drug

- aspirin
- acetaminophen



3) काम्य शिरो चूर्ण

- ल० - Head and throat coated ह काम्य .
- गुग्गुलु
  - अकचि .
  - शीतता .
  - अमरु .
  - कणिकण्डू
  - क्षर्दि (वमि)
  - तन्द्रा
  - शूनाक्षि चूर्ण

दोष प्रधान - कफ दोष

- वि० - कफहर वि०
- शिरो विरेचन
  - वमन
  - गण्डूष टा तीक्ष्ण द्रव्य
  - स्नेहपान
  - स्वेद कर्म
  - प्रहामन नश्च
  - कवल द्राह
  - क्षुमपान

- पथ्या - शव
- धष्टीका धान्य
  - त्रिकटु
  - शवधाह
  - पटील

(4) अग्निपाक्य शिरोरोग -

दोष प्रधान - त्रिदोष

ल० - त्रिदोष ल० (all)

चि० - त्रिदोषद्वय चि० Based on दोष प्रधानता  
- पुरुषण घृत पान्.

MC - Headache due to Constitutional Disease

(5) बदतप/डिरो रोग

टी<sup>n</sup> - Same as पित्तप डिरो रोग .

पि<sup>n</sup> - पित्तप डिरो रोग पि<sup>n</sup>

MC - Headache due to HTN / acute alcoholism.

(6) क्षय्य शिरो रोग - कफ्य रोग।  
वातय प्रधान

निदान - क्षत जू वसा (trauma due to वसा)

कफ ↓

कफ take place in शिरस।

↓

Causes क्षय्य शिरो रोग।

Aggravate by - स्नेह  
- वमन  
- द्यूमपान  
- नस्थ  
- श्वेतमीक्षण।

लं० - Painful.

- Difficult to Manage.

- वात-कफ दोष लं०

चि० - शूल चि०

- वात हर चि० (नस्थ)

- प्लूत पान।

- सधुर गण दूष्य।

( ३ ) कृमिज शिरो रोग ( Organisms )

निदान - विकरदक आहार .  
- दोष viflection .

- ल० - sewey pain  
- उवर  
- रुक्ता  
- कण नाक  
- Coppery med & thin nasal discharge.  
- कडू  
- कास  
- दोबल्य  
- दाह  
- शिख मनस विकार .

- चि० - नस्य कर्म ट वेवत  
- शिरो विरेचन .  
- अवपीडन नस्य  
- धूमपान

- दुष्य used - विडंग  
- सरिय  
- अपमाग  
- शिशु बिल .

### (3) सूर्यज्वर -

- It is directly related with the Sun.  
 - Headache starts slowly with the sunrise and increases gradually with the progression of the day and subsides at the sunset.

- Headache around the eyes  
 - eyebrows.

- caused by विकार.

संप्रदाय - Due to निदान खेवण

↓  
 दान get vitiated

↓  
 associated with पित्त

↓  
 produces severe throbbing pain

↓  
 in the temples  
 eyebrows  
 forehead

↓  
 Commencing with sunrise

↓  
 increases in severity during noon hours

↓  
 and on being hungry.

↓  
pain subside during sunset

↓  
Be called शूल.

- ल०
- pain in temples
  - eyebrows
  - forehead
  - Hungry
  - Comfort with cold substance.

चि० - वायु कर्म  
- वात रू आहार-विहार.  
- श्वेत गोक्षारादि

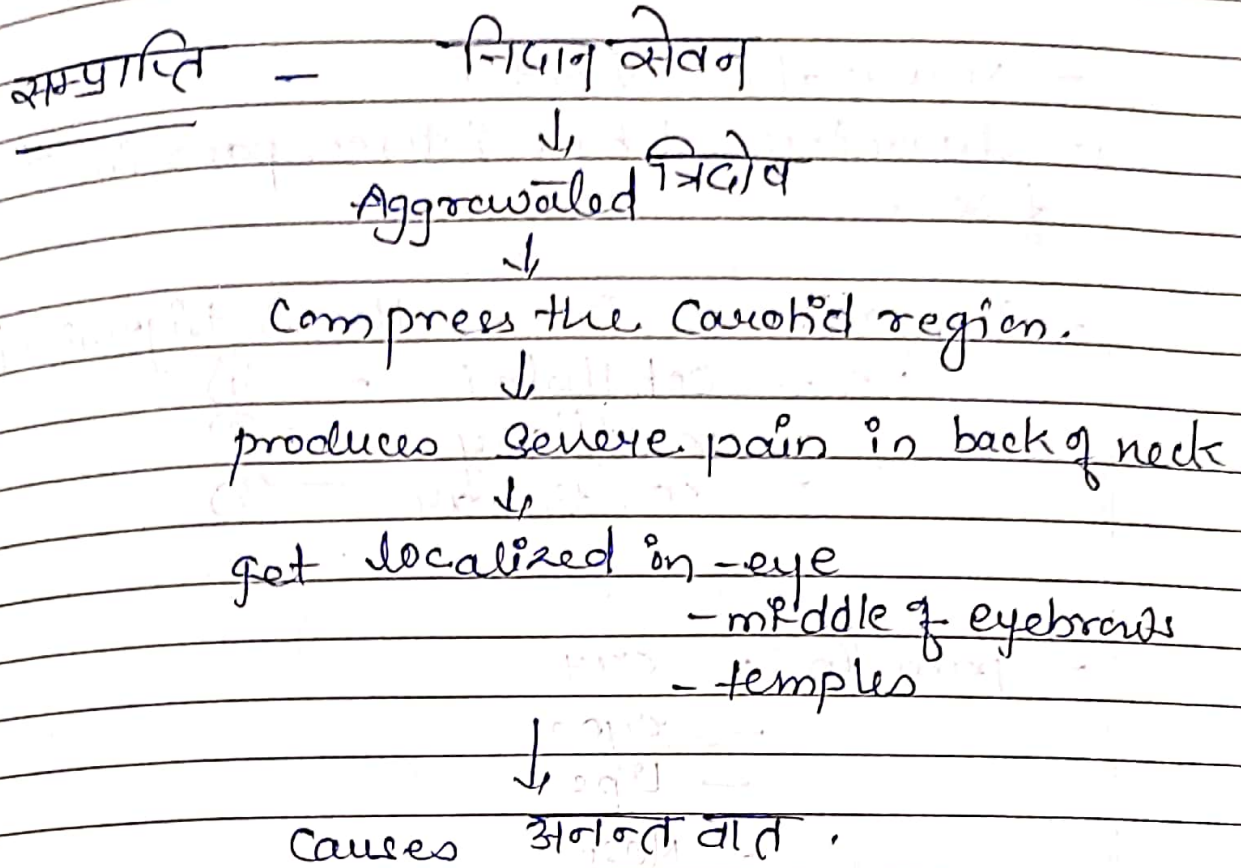
↓  
वायु कर्म - वायु  
- परिवेक  
- लेप  
- कलमग्रेह  
- शिरो वरित etc.

↓

↓

↓

9) अनन्त वात —



ल० — अक्षि रोग

- हनु कम्प हनुग्रह (Lock jaw)
- shaking of cheek.
- severe pain.

चि० — सिराव्यथना

- Same as सूयवर्त चि० (A/उत्कम्)

पथ्या — वात - पित्तहर आहार-विहार



(10) आर्ध शोक (त्रिदोष)

- तो - Severe. Bursting pain, } one half of the head.
- pricking
- spinning type pain
- impairment of eye & ear.

Duration of pain attack

- after 15 days
- 10 days
- sudden
- fortnight

Rx - नस्त्रा  
- क्षिरो लेप

1) नस्त्रा - अवपीडन नस्त्रा  
- सदन नस्त्रा

2) अवपीडन नस्त्रा

Drugs used - श्लिष मूल and फल  
- वस + कपूर  
- वसा + पिपली चूर्ण  
- शलीमधु + मधु  
- मनशिला + मधु  
- चक्रण +

नाम नरु - ८ वृत्त processed by साधु रस  
द्वारा .

शिशो लेप -

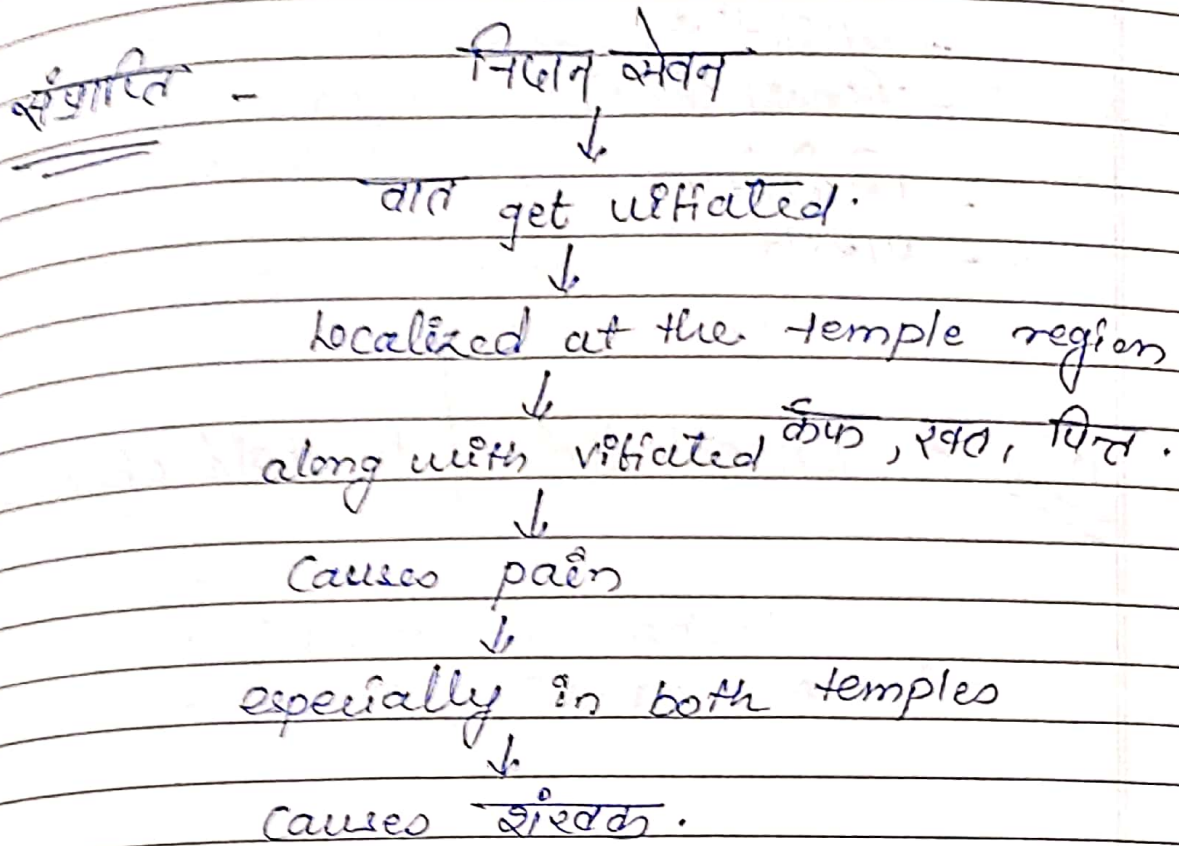
लेप prepared out of दूध व साखीर  
नीलोत्पल

- कुण्ड
- शर्दी मधु
- काठ-पी

↓

mixed in घृत, दूध and applied on head.

(1) शिरका -



लक्षण - Severe burning Sensation.

- pain

- Redness at temples.

- ज्वर

- दुर्बलता.

- शूल

- yellowish colored face (पीतवर्ण)

- Kill the pt. within 3 days.

- शिरका in mouth.

- Rx - स्नेहपान / शीतल द्रव्य  
- नमक  
- चाइल स  
- रिक्त आर  
- सिसेलेप  
- परिष्क

ML - Encephalitis | Mollard abscess

# शिर कम्प

- mentioned by आचार्य दामोदर .

- Due to निदान वेदन

↓  
दोष get vitiated .

↓  
vitiate वात move head region .

↓  
Causes shaking of head

↓  
called शिर कम्प .

नि० - except अग्नि कम्प

- all वातज शिरो वेग Rx .

(1) अपशीर्षकम्

सम्प्रदायः - During period of intra uterine life of foetus.



Scalp get irritated by dirt.



Develops a swelling of same colour of skin.



without any pain.



called अपशीर्षकम्.

सं - वात व्याधि चि०  
र - विद्वहि चि०

(१०) अकंपिका

papergrid

Date: / /

- is a condition in which eruptions on the scalp are developed due to vitiation of

- पित्त
- रक्त
- कफ
- क्रोमि

- Eruptions have more of fluid.

look like - कड़ु, धान्य

- सिद्धार्थ (mustard seed)

Rx - खेतमोक्षणा च जलका

- श्लेचन च निम्ब वचाय

- लेप

- अत्रथाडु

- वमन

- श्लोथन चि०

MC - Seb orrheic dermatitis

(3) Gleets

papergrid

Date: / /

- Directly co-relates with the scalp disorders i.e. dandruff.

Caused by — vitiation of thm  
— वात

ल० — Itching sensation. कठु

— Hair falling

— Loss of tactile sensation.

— Dryness

— Small cracks of the skin on the scalp.

चि० — शिरोविद्यन  
— नस्त्यकर्म  
— शिरो वस्त्र  
— शिरो लेप  
— पुक्कालन

स्तमोक्षण  
पुक्कालन  
लेप

द्वय used — प्रियाल बीज

— सधुक

— कुष्ठ

— साध

— सर्षपा

त सधु → शिरोलेप



(4) इन्फ्लेमेट

- also called - कृप्य  
- चर्च

- is one of the scalp disorders.

• सम्प्राप्ति — causative factor

↓  
पिन्त located in hair follicle

↓  
aggravate along with cause hair fall

↓  
irritation of skin along with sweat

↓  
block the follicle

↓  
cause non growth of new hair

↓  
Cause इन्फ्लेमेट .

पथ्यि — खालित्य } शुश्रुत  
— कृप्य }  
— चर्चा (चै) } पा.

चि. — शिरावेध  
— पृष्ठन्न कर्म  
— लेप

— इन्फ्लेमेट नाशक तैल / जाल्याङ्गि तैल

सायासि same as वृक्षलुप्त .

ल०

1) वृक्षलुप्त - as if burnt by fire  
- blackish  
- Reddish coloured.

2) पित्तलुप्त - Studded network of blood vessels with abundant sweat.  
- yellowish  
- Blueish  
- greenish colour.

3) कणुय - skin coloured but thick skin  
- fair coloured.

4) त्रिकोषय - Scalp skin appears similar to तृक्ष  
- reddish in colour  
- glossy.  
- devoid of Hair.  
- tender Hair (लोम)  
- burning sensation  
- असिद्ध

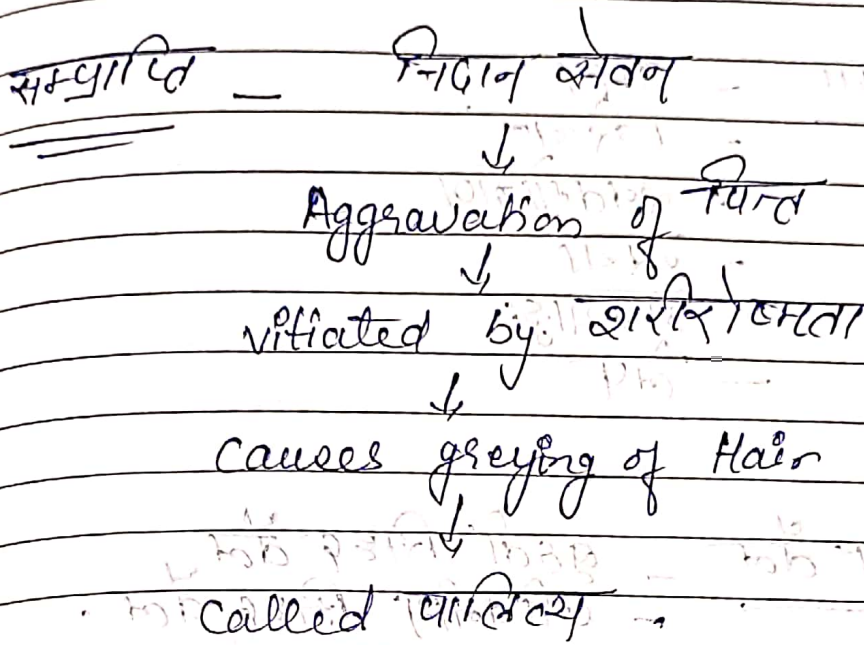
Note -

वृक्षलुप्त - Fall of hair of beard & mustaches

खलित्य - Hair fall from head  
( alopecia . totalis )

तृक्ष ( alopecia universalis ) - Hair fall from entire body.

हेतु - क्रोध  
 - शोक  
 - अम  
 - शरीरोष्णता etc.



• लक्षण based on दोष प्रधान -

- |   |  |
|---|--|
| <p>1) <u>वात</u> - स्फुटित<br/>       - श्याव<br/>       - खर<br/>       - रुधा<br/>       - जलपत्रम्</p> | <p>2) <u>पित्त</u> - दाह<br/>       - पीताम्बु<br/>       3) <u>कफ</u> - विनम्रवृद्धि<br/>       - स्थूल<br/>       - सुशुक्ल<br/>       - growing excessively</p> |
| <p>4) <u>त्रिविध</u> - mixed of all दोष</p>   |  |

me premature greyning of Hair

याचित Secondary to शिराशूल

characterized by - discoloration of Hair  
- Hyperaesthesia of scalp skin

- चिकित्सा - तमन  
- विरचन  
- स्वतमोक्षण  
- नस्य  
- अभ्यास  
- लेप

नस्य - बृहती सिद्ध वेल  
- जीवनीय सिद्ध वेल

- लेप - तिला  
- आमलक  
- पद्मकिका-पलक  
- मधुक  
- मधु

Hair growth

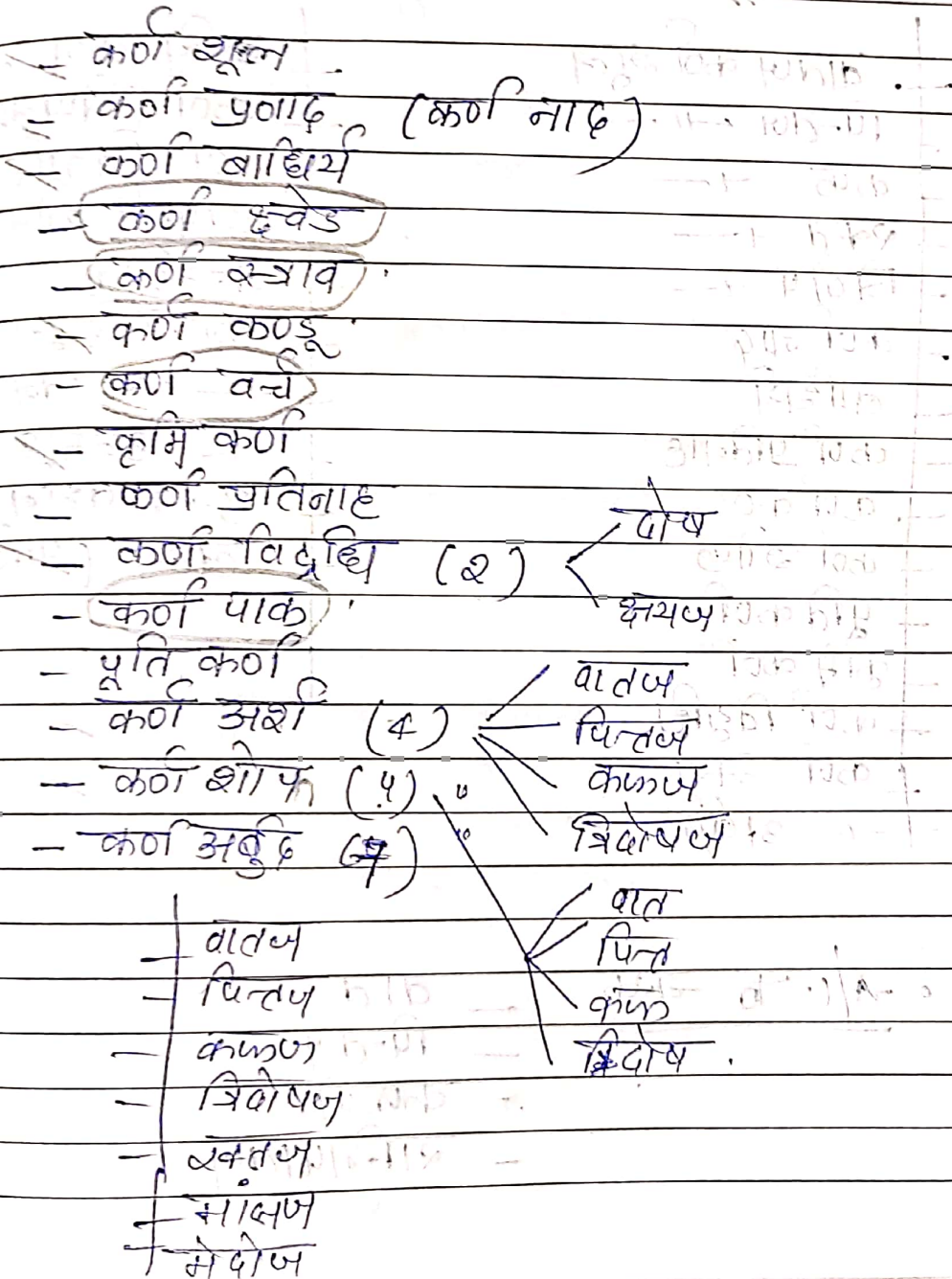
- जलमांसी  
- कुष्ठ  
- तिला (कुष्ठा)  
- सारिका  
- नीलोत्पल  
- शोण  
- शीत पिप्पी

# करी बीजा

- |        |            |      |         |
|--------|------------|------|---------|
| - Refn | - सुश्रुत  | - 28 | } Types |
|        | - वाग्भट्ट | - 25 |         |
|        | - चरक      | - 4  |         |

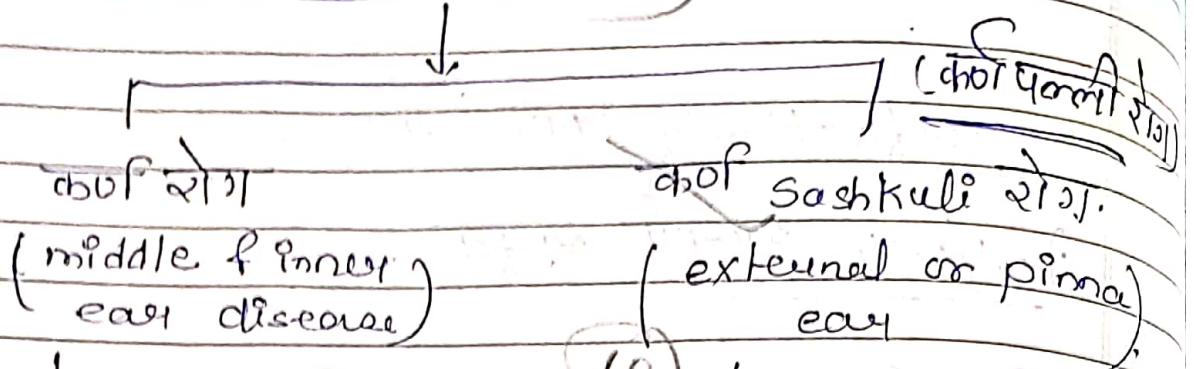
## Classification of करी बीजा

1) अ/क. to आचार्य सुश्रुत - (28)



• classification of A/C to वाग्भट्ट -

कर्ण रोग (२५)



- |   |   |
|---|---|
| <p>10</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>- वातज कर्ण शून्य</li> <li>- पित्तज -॥-</li> <li>- कफ -॥-</li> <li>- स्वत -॥-</li> <li>- त्रिदोष -॥-</li> <li>- कर्ण नाद</li> <li>- बाधिर्य</li> <li>- कर्ण प्रतिनाह</li> <li>- कर्ण कण्डू</li> <li>- कर्ण शोथ</li> <li>- पूतिकर्ण</li> <li>- कृमि कर्ण</li> <li>- कर्ण विवृद्धि</li> <li>- कर्ण अर्श</li> <li>- -॥- अर्बुद</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>- कृचि कर्ण</li> <li>- कर्ण पिप्पली</li> <li>- कर्ण विदारिका</li> <li>- कर्णपिनी शोष</li> <li>- तन्त्रत्रिक</li> <li>- कर्ण परिपूरा</li> <li>- -॥- उत्पतन</li> <li>- -॥- उन्माद</li> <li>- पुःख वर्धन</li> <li>- लेह्य (पीटिका)</li> </ul> |
|---|---|

- A/C to चरक
- वात
  - पित्तज
  - कफज
  - सन्निपातज

## पाण्डुरोग - आध्य - असाध्यता (अ-८)

- १) असाध्य रोग - पिप्पली  
 - शनिपातज कर्ण शूल  
 - विषरी  
 - कुचि कर्णिक

२) आध्य - तन्त्रिका

३) आध्य - Remaining 20

### सामान्य हेतु and उत्पत्ति of कर्ण रोग -

अवश्यायजन क्रीडाकर्णिकोऽयन्मरुतु ।  
 मिथ्यायोगेन शस्त्रस्य कुपितोऽन्यश्च कोपनेः ॥  
 प्राप्य श्रोत्रसिराः कुर्यात् शूलं श्रोतसि वेगवान् ।  
 ते वै कर्णमत्ता रोगा अष्टाविंशतिरीरिताः ॥

(कु ३ २०/१-२)

### सामान्य चिकित्सा of कर्ण रोग -

सामान्ये कर्ण रोगेषु घृतपानं रसायनम् ।  
 अथ्यायामोऽशिरः स्नानं प्रह्वचर्यमकथनम् ॥

- (कु ३ २१/३)
- घृतपान
  - अथ्यायाम
  - अवर्त शिरःस्नान
  - प्रह्वचर्य
  - कथनम्

सामान्य हेतु नील कर्ण रोग

अवश्याय जल क्रीडा कर्ण कण्डू  
यनेमरुत ।

मिथ्या योगेन शस्त्रस्य कुपितो अन्येषु  
कोपनेः ॥

सम्प्राप्ति of कर्ण रोग

प्राम्ण श्रोत्रसिराः कुपति शूलं  
श्रोतसि वेगवान् ।

ते त्रै कर्णगता रोगा अष्ट-  
विंशतिरीरिताः ॥

निदान सेवन → aggravation of दोष

causing ← enter into श्रोत्रसिरा

शूल in श्रोतसि → cause कर्ण रोग

सामान्य चिकित्सा

- धृतपान
- रसायनम्
- अव्यायामोऽस्ति
- अशिरः स्नानं
- ब्रह्मचर्यम्
- कल्थनम्

17 कर्ण शूल

- directly co-relate with the  
pain in the ear.

दोष - वात

साध्य व्याधि

Ref -

निदान - विकटु आधार

- प्रतिश्याय

- शीत विहार

- जल क्रीडा

- कर्ण कण्डू

- शब्द - शस्त्र मिथ्या योग

सम्प्राप्ति

- निदान सेवन

↓  
वात प्रकोप

↓  
along with other दोष

स्थान संप्रथ in कर्ण श्रोतसि

↓  
causes वेपना in कर्ण

↓  
called कर्ण शूल



- चिकित्सा - स्नेह पान
- स्वेपन < नाडी
- स्निग्ध विरेचन < विषय
- कर्ण पूरण
- व्यूत पान
- गुग्गुल्यादि धूम .

- प्रत्यक्ष स्वेप - बिल्व
- शरड ✓
- अर्क ✓
- पुनर्नव
- कपिल
- धतूरा ✓
- शिबिरु शिशू .
- अजगन्ध ✓
- शव
- वैष्णु
- आश्नाल ✓

(5/3m)

• दीपिका तैल -

सहस्र पञ्चमूलस्य काण्डस्य अष्टादशाङ्गुलम् ।  
 क्रौंभेणावेष्टय सैसिव्यु तैलेनापिपयेत्तत ।  
 य-तैलं च्यवते तैस्यो धूतेभ्यो भाजनोपरि  
 त्रैयं तद्यदीपिका तैलं सद्यो ब्रूहवाति वैपनाम्  
 (सु. उ. 21/20-21)

बृहत् पंचमूल - बेल, सोनपाच,  
 गम्भीरी, पल, अरनी .

1/3rd part of 18 अंगुल  
 stem of बृहत् पंचमूल

↓  
 wrapped in अत्सी बस्त्र .

↓  
 Soaked in तैल (तैल)

↓  
 then ignited ज्वाना

↓  
 these burning stem are held  
 obliquely in a vessel

↓  
 so that trickling तैल can  
 be collected

↓  
 called = दीपिका तैल .

ind. - कर्ण वैपना .

## ① वातज कर्ण शूल

दोष - वात  
साध्य व्याधि

- लं - कर्ण नाद  
- तीव्र वेदना  
- अर्ध भेदक  
- हनु स्तम्भ  
- अल्प स्त्राव  
- श्रोत शून्यं अकस्मात्

- चिं - वात व्याधि चिं  
- प्रतिश्याय चिं  
- शिरा स्नान वर्ज्य  
- शीत पान वर्ज्य  
- शिरो बन्धि, नस्या,  
परिक्षेपण

## ② पित्तज कर्ण शूल

दोष - पित्त  
साध्य व्याधि

- लं - शूल  
- दाह  
- राग  
- ज्वर  
- श्वयथु  
- पीत स्त्राव  
- आशु पाकं  
- पूति स्त्रावण

- चिं - स्नेहपान (घृत + शर्करा)  
- कर्ण पूरण  
- नस्या  
- अभ्यङ्ग  
- विरेचन  
- यष्टयादि तैल

## ③ कफज कर्ण शूल

दोष - कफज  
साध्य- असाध्यता - साध्य

- लं - हनु गौरव  
- ग्रीवा -  
- शिरो -  
- मन्द रूप  
- कण्ठू  
- श्वयथु  
- श्वेत - धन स्त्राव

- चिकित्सा - स्नेहपान (घृत + सर्षपाक्ष) वान  
- धूमपान  
- नस्या  
- गण्डूषा  
- स्वेप  
- कर्ण पूरण  
- वमन  
- कफहर द्रव्य used.

## 4) शक्तज कर्णशूल

- ल० - शूल  
- दाह  
- शीफ  
- धरुण  
- ज्वर  
- आशुपाक  
- पीत स्त्राव

- चि० - स्नेहपान  
- कणपूरण  
- नस्था  
- अभ्यङ्ग

दोष - शक्तज

आसाध्य व्याधि -

## 5) सन्निपातज कर्णशूल -

दोष - त्रिदोष  
आसाध्य व्याधि .

लक्षण - कर्णशूल

- ज्वर
- शीतोष्णोच्छ्वा
- पक्वं
- सितासिता
- रक्त
- धन
- पूम
- पुवादि .

## • कर्ण नाद | कर्ण द्वेड

- directly co-relates with the perception of different sound in the ear.

सम्प्राप्ति → निदान शैवम्



vibrations of वात दोष



दोष move विमार्गागत



take स्वनसंक्रय in शब्दवद



perception of different sound



called कर्ण नाद

दोष - वात

साध्य व्याधि

चिकित्सा

- घृत पान
- सिन्धु विरेचन
- रसायना
- अशिर स्नान
- अ व्यायाम
- न वादन
- शिरो बन्ध
- कर्ण पूरण
- वातर चिकित्सा

## कर्ण बाधार्थ

- directly co-relates with the hardness of hearing.

दोष - वात-कफ.

साध्य व्याधि.

सम्प्राप्ति - निदाने शेषन

↓  
situation of वात & कफ

↓  
take स्थान संश्रय in शब्द वेद  
स्पोतस.

↓  
leads to hardness of hearing

↓  
causes बाधार्थ.

चि. - कर्ण पूरण

- पुतिश्याय चि.

- वात व्याधि चि.

- कर्ण नाद चि.

MC - Deafness.

# • कर्ण रोग

- directly co-relates with the pus discharge from Eas.

Ref<sup>n</sup> - शालक्य तंत्र.

- Factor - दोष  
- अधिष्ठातृ  
- आधुनिक पर्याय  
- लक्षण  
- चिकित्सा

दोष - वात

अधिष्ठातृ - कर्ण

आधुनिक पर्याय - ASOM

- निदान - जल क्रीडा  
- कर्ण कण्डू  
- मिथ्या योग  
- कुपिता शस्त्र  
- शिरो अभिघात  
- विद्युच्चि

लक्षण -

चिकित्सा -

- शिरो विरेचन  
- कर्ण पूरण  
- धूप  
- पुमाजर्ण  
- धावन / पुष्कालन  
- घृतपान  
- रसायना  
- अशिरः स्नान  
- ब्रह्मचर्यादि

कर्ण प्रतिनाह (N/A).

(कर्ण सूक्ष्म)

सम्प्राप्ति - निदान सेवन

↓  
infection of कर्ण - वात

↓  
take अधिष्ठान in श्रोता.

↓  
cause obstruction.

↓  
cause कर्ण प्रतिनाह

दोष - कर्ण - वात

अधिष्ठान - श्रवण

स्रोतोरोध - कर्ण स्रोतस

आधुनिक पर्याय

Acute tubal catarrh  
(or)

Eustachian Salpingitis.

लक्षण - Headache  
- pain.

- श्रवण  
- श्रवणारोध

चिकित्सा

- खोद

- खोद

- शिरो चिकित्सा

- अंगुली

- कर्ण पूरण

- कर्ण पुंशालन

- धावन

- धूम

## पूरिकार

- directly in contact with the continuous fire of pus discharge from ear.

- factor - दोष
- अधिष्ठान
  - लक्षण
  - विकार आधुमिक पशु
  - चिकित्सा

① दोष - कफ - पित्त

② अधिष्ठान - कर्ण

- ③ लक्षण - वेदना
- बहु वेद
  - स रूष
  - नीरुष
  - दौर्गन्ध्य
  - घन स्त्रावा
  - Discharge

④ आधुमिक पशु -  
Otorrhoea / CSOM.

## संगति - निदान लेखन

↓  
Vibhakti - पित्त

↓  
along with this

↓  
accumulation in Ear Canal

↓  
liquified the in ear

↓  
discharge of fetid pus

↓  
with or without pain

↓  
cause पूरिकार

## चिकित्सा

- कर्ण पुरण
- कर्ण स्त्राव न्य
- शिरो विरेचन
- कर्ण पुष्कालन
- धूमा
- पुमार्जन
- धूमपान
- नाडी स्वेद



• कर्ण पूरण द्रव्य - ...

- सिंगुली इवर्स

- तिल

- सैंडलव लवण

- सिन्दुर

- धूमरण

- गुड

- मधु

- ...

- ...

- ...

• Differential diagnosis

- Acute otitis media

- Acute necrotic otitis media

- Tympanic perforation

- ...

- ...

- ...

कर्ण गुथिका / ear wax

- also called कर्णवर्त
- directly co-relates with the ear. impact wax in the ear.

Factor

- निदान
- दोष
- अधिष्ठान
- लक्षणा
- आधुनिक पर्याय
- चिकित्सा

निदान - सामान्य निदान व कर्ण रोग

दोष - पित्त - कफ

अधिष्ठान - कर्ण

लक्षणा

- Headache
- Earache
- श्रवण
- obstruction in ear canal.

चिकित्सा - शोधन  
- स्वेद

- कर्ण प्रक्षालन

- कर्ण धावन

- कर्ण शलाक

- शिरो विरेचन

- धूम

- ...

- ...

- ...

- ...

- ...

- ...

- ...

- ...

- ...

- ...

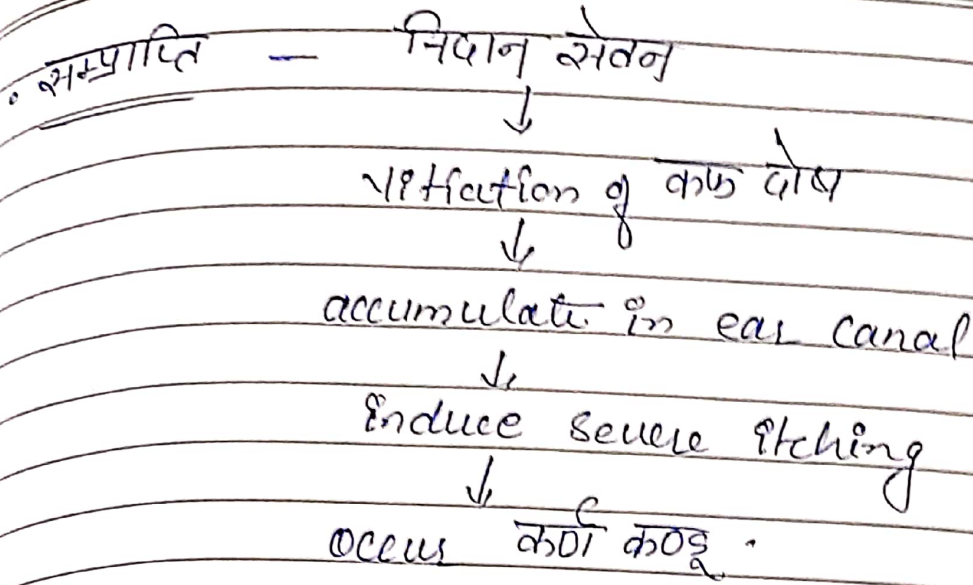
- ...

- ...

# कर्ण कण्डू (itching)

papergrid

Date: / /



- लः — कण्डू  
— शोफा  
— कफाट्टोजे  
— स्थिरो  
— तत्संज्ञा  
— समूर्ता ॥

- चिकित्सा — वमन  
— तीक्ष्ण शिरोविषेचन  
— नाडी स्वेद  
— धूमपान .

- आहार — रुक्ष  
— तीक्ष्ण  
— कटु .

- लक्षणा - Sloughing  
- moistening of जीर्ण and रक्त,  
- वलेकणी  
- रुधिर  
- रतादन्तो  
- पन्तवः  
- कुयुस्तीव्रां  
- रस  
- कृमिकर्णकः ।

- चि० - प्रमार्जन  
- कर्ण प्रक्षालन  
- स्वेद  
- नाडी स्वेद  
- कर्ण पूर्ण (पूरण)  
- धूमपान  
- पुष्ट वृण चि०  
- वमन  
- कवल शृङ्ख

- अ.ि. तः सुसुत (2) types  $\left\{ \begin{array}{l} \text{अभिधातय} \\ \text{दोषण (त्रिधातय)} \end{array} \right.$

- लः - रसत अस्र रसाव  
- पीत -  
- सुरण -  
- तौफ  
- धूमामन (feeling of hot fumes)  
- दाड  
- चोष (Sucking pain)

सम्याप्ति - Due to इत and अभिधात  
↓  
Iritation of त्रिधात  
↓  
Causes कठि विद्रुधि.

चिः -

दोष - पित्त .

अदृष्टान - कर्ण .

आधुनिक पेशिय - suppurative ear disease .

साध्य - असाध्यत) - साध्य

संश्लि - निदान सेवन

↓  
vitiation of पित्त

↓  
Causes suppuration

↓  
called कर्ण पाक .

लं० - Suppuration  
- necrosis  
- sloughing of tissues .

चि० - शीत लेप  
- सपना etc .  
- पित्त विक्षय चि० .

सम्प्राप्ति - निदान केवल

↓  
vibrations of त्रिकोण .

↓  
Causes pain, deafness

↓  
occurs कर्ण अशो .

- ल० - शोफो  
- अशो  
- अर्बुदमीरितम्  
- तेषु  
- रुक्  
- सिकु पूति  
- कर्णत्वे  
- बधिरत्व  
- च  
- बाधते ।

न्य० - अशोऽर्बुद .  
- नासावत

Similar to नासाशो  
नासाऽर्बुद .



15 types explained by आचार्य सुश्रुत

Types	- नेमि सन्धानक	1
	- उत्पल भेद्य	2
	- वल्लरक	3
	- आसङ्गिम	4
	- गण्डकण	5
	- आधर्या	6
	- निर्वेधिम	7
	- व्याथोजिम	8
	- कपाट सन्धि	9
	- अधकपाट सन्धि	10
	- संक्षिप्त	11
	- हीन कर्ण	12
	- वल्ली कर्ण	13
	- यष्टी कर्ण	14
	- काकोष्ठक	15

Method